प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट

6 days "Training Program for (TOT)
For The Course on Investigation Power to Constables"
दिनांक **20-06-2022 से 25-06-2022**

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर।

राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 20-06-2022 से 25-06-2022 तक **"Training Program for (TOT) For The Course on Investigation Power to Constables"** विषय पर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम लेक्चर थियेटर में आयोजित किया गया। राजस्थान पुलिस अकादमी के सहायक निदेशक श्री कैलाश चन्द्र, उप महानिरीक्षक, अतिरिक्त निदेशक आरपीए जयपुर के निर्देशन में प्रबुद्ध वक्ताओं को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 35 प्रतिभागियों जिसमें 10 पुलिस निरीक्षक, 25 उप निरीक्षक ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन 10:00-10:30 AM तक पंजीकरण एवं कोर्स निदेशक द्वारा कोर्स का परिचय करवाया गया। प्रथम सत्र में श्री कैलाश चन्द्र, उप महानिरीक्षक, अतिरिक्त निदेशक आरपीए जयपुर ने Ice Breaking के बारे में विस्तार से बताया। द्वितीय एवं तृतीय सत्र में श्रीमती अमृत कौर,प्रकाशन अधिकारी, एचसीएम, रिपा ने प्रशिक्षण की अवधारणा महत्व और उद्देश्य प्रशिक्षण की आवश्यकता विश्लेषण प्रशिक्षक की भूमिका और जिम्मेदारी एवं प्रशिक्षण के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण के बारे में बताया।

द्वितीय दिन के प्रथम एवं द्वितीय सत्र श्रीमती अमृत कौर,प्रकाशन अधिकारी, एचसीएम, रिपा ने व्याख्यान योजना एवं विभिन्न प्रशिक्षण पद्धति के बारे में बताया। तृतीय सत्र में श्री कैलाश चन्द्र, उप महानिरीक्षक, अतिरिक्त निदेशक आरपीए जयपुर ने संचार कौशल स्टेज के डर को कैसे दूर करें के बारे में बताया।

तृतीय दिन के प्रथम एवं द्वितीय सत्र में श्री आर.एस. शर्मा, अतिरिक्त निदेशक, (सेवानिवृत्त) एफएसएल, जयपुर ने केस स्टडीज के साथ क्राइम सीन मैनेजमेंट अपराध स्थल पर क्या करें और क्या न करें एवं जांच के लिए वैज्ञानिक सहायता के बारे में बताया। तृतीय सत्र में डॉ. दीपाली पाठक,एसो0 प्रो. फोरेंसिक मेडिसिन, जयपुर ने जांच में फोरेंसिक चिकित्सा का क्या महत्व होता के बारे में बताया।

चतुर्थ दिन के प्रथम सत्र में श्री। जगदीश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (रिटा.) ने जांच के संबंध में सरकार/पीएचक्यू द्वारा जारी विभिन्न स्थायी आदेश/परिपत्र के बारे में विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र में प्रो0 अनिल मेहता, डीन, वित्तीय और वाणिज्यिक कौशल, राज0 आईएलडी स्किल यूनिवर्सिटी, जयपुर ने प्रतिभागियों के साथ आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग रिपोर्ट के बारे में बताया। तृतीय सत्र में श्री रमेश चौधरी, पीओ, आरपीए, जयपुर ने जांच के मूल सिद्धांत, जांच के विभिन्न चरणों के बारे में बताया।

पंचम दिवस के प्रथम एवं द्वितीय सत्र में प्रो0 अनिल मेहता, डीन, वित्तीय और वाणिज्यिक कौशल, राज0 आईएलडी स्किल यूनिवर्सिटी, जयपुर ने प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण योजना की प्रस्तुति के बारे में बताया। तृतीय सत्र में श्री। राजवीर सिंह0,उप निदेशक, क्राइम सीन, एफएसएल, जयपुर ने जांच में भौतिक साक्ष्य का उपयोग कैसे किया जाता है के बारे में बताया।

छठे दिवस के प्रथम सत्र में श्री आर.एस. शर्मा, अतिरिक्त निदेशक, (सेवानिवृत्त) एफएसएल, जयपुर ने नकली अपराध दृश्य/व्यवहार पर व्यावहारिक के बारे में बताया। श्री कैलाश चन्द्र, उप महानिरीक्षक, अतिरिक्त निदेशक आरपीए जयपुर के मुख्य अतिथित्य में कोर्स के समापन सत्र का आयोजन किया गया जिनके द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कोर्स के अन्त में कोर्स डायरेक्टर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कोर्स का विधिवत समापन किया गया।

हस्ताक्षर

कोर्स निदेशक